लोक आलोक न्युज

www.lokalok.in

E-mail:editor@lokalok.in

दिनः बुधवार, Digital एडिशन दिनांक : 22 अप्रैल, 2020

झारखण्ड कोरोना UPDATE

संक्रमित	मौत
46	03

Scan QR Code for more information

राज्य भर में लगा तमाम तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध

छठी JPSC का रिजल्ट हुआ जारी, झारखंड को मिले 326 अधिकारी

गृह मंत्री अमित शाह ने डॉक्टरो और आई एम ए से बातचीत में की काम की सराहना

स्वास्थ्य कर्मियों पर हमला किया तो जाना पड़ेगा 7 साल तक के लिए जेल,

- **सम्पादकीय**
  यह घोर चिंताजनक है कि जैसी लापरवाही कनिका कपूर ने दिखाई, वैसी ही कुछ अन्य भी दिखा रहे हैं।

- कालाबाजारी एवं अनियमितता पर जारी रहेगी कार्रवाई : जिला आपूर्ति पदाधिकारी

- **हेमंत सरकार की शिथिलता और निद्रा भंग करने को भाजपा के आला नेताओं ने रखा उपवास**

विचार •

डॉ० आशुतोष कुमार झा

LOK ALOK NEWS WEB NETWORK
www.lokalok.in

लोक आलोक न्युज

www.lokalok.in
E-mail:editor@lokalok.in

दिनः बुधवार, Digital एडिशन दिनांक : 22 अप्रैल, 2020

स्वास्थ्य कर्मियों पर हमला किया तो जाना पड़ेगा 7 साल तक के लिए जेल,

नयी दिल्ली – कोरोना वायरस से जारी जंग के दौरान कई जगहों से स्वाएस्तह कर्मियों के खिलाफ हिंसा की खबरें आ रही हैं. इस मामले पर केंद्र सरकार ने कड़ा कदम उठाया है.केंद्र सरकार ने कहा है कि अब मेडिकल टीम पर हमला करने वालों को इसके लिए कड़ी सजा दी जाएगी. केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आरोग्यकर्मियों के खिलाफ होने वाले हमलों और उत्पीड़न को बिलकुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उनकी सुरक्षा के लिए सरकार पूरा संरक्षण देने वाला अध्यादेश जारी करेगी. प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर के बाद ये तुरंत प्रभाव से जारी होगा. जावड़ेकर ने बताया कि स्वाजस्त्री कर्मियों के खिलाफ हमला करने वालों को 3 महीने से 5 साल तक सजा होगी. जावड़ेकर ने बताया कि अगर स्वास्य् क कर्मियों पर गंभीर हमला है. तो हमलाकर्मी को 6 महीने से 7 साल तक की सजा हो सकती है. इसके अलावा हमलावर को जुर्माना के रूप में 1 लाख से 5 लाख तक देना होगा. केंद्रीय मंत्री ने बताया अगर स्वावस्य् कर्मियों की गाड़ी को या क्लिनिक को कोई नुकसान पहुंचाता है तो उस स्थिति में हमला करने वालों से जो बाजार वेल्यू होगा उसका दोगुनी रकम उससे वसूला जाएगा. जावड़ेकर ने बताया राष्ट्रीय महामारी कानून के तहत बदलाव करके अध्यादेश लागू किया जाएगा, जिसके तहत डॉक्टरों पर हमला गैरजमानती अपराध होगा. जिसके जाँच 30 दिन में पूरी होगी. और एक साल में फैसला आ जाएगा और कड़ी सजा यानी 3 महीने से 5 साल कैद की सजा हो सकती है.या 50 हजार से 2 लाख तक जुर्माना देना पड़ सकता है. प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि मोदी सरकार ने पहले ही स्वास्थ्य कर्मियों के 50 लाख के इंश्योरेंस का फैसला किया था. साथ ही देश में कोई भी कोविड अस्पताल नहीं था और जो कि इसके खतरे को देखते हुए अब 723 नये कोविड अस्पताल भी तैयार किये गये हैं.

राज्य भर में लगा तमाम तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध

रांची– कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए तमाम तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर रोक लगा दी गई है. इसके लिए स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव डॉ नितिन मदन कुलकर्णी ने एक आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत पूरे राज्य में सार्वजानिक जगहों पर सभी तरह के तम्बाकू उत्पादों यथा सिगरेट, बीड़ी, पान मसाला, हुक्का, खैनी, जर्दा, गुटका और इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगते हुए तमाम तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है.

डॉ कुलकर्णी ने कहा कि पान मसाला, खैनी, जर्दा और गुटका खाकर यत्र तत्र थूकने से कोरोना वायरस फैलने का खतरा बढ़ने की संभावना होती है. जिसको देखते हुए सार्वजानिक जगहों पर तम्बाकू पदार्थों के सेवन पर प्रतिबन्ध लगाया गया है.स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी ने बताया कि तंबाकू का सेवन जन स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरों में से एक है. थूकना एक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरा है और संचारी रोग के फैलने का एक प्रमुख कारण है. तंबाकू सेवन करने वालों की प्रवृति यत्र–तत्र थूकने की होती है. थूकने के कारण कई गंभीर बीमारी यथा कोरोना, इंसेफलाइटिस, यक्ष्मा, स्वाइन फ्लू आदि का संक्रमण फैलने की आशंका रहती है. महामारी की रोकथाम के लिए यह एक कारगर उपाय है।

Wash your hands

Use a tissue for coughs

Avoid touching your face

कोरोना से लड़ो ना देश ,की सुरक्षा करो ना

गृह मंत्री अमित शाह ने डॉक्टरो और आई एम ए से बातचीत में की काम की सराहना

नई दिल्ली– केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए डॉक्टरों और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (प्ड।) के साथ बातचीत की है. इस दौरोन अमित शाह ने इस दौरान उनके अच्छे काम की सराहना की. उन्होंने उन्हें सुरक्षा का भी आश्वासन दिया और उनसे अपील की कि वे उनके द्वारा प्रस्तावित प्रतीकात्मक विरोध भी न करें, सरकार उनके साथ है. इस बैठक में उनके साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन भी मौजूद रहें. देश में कई जगह डॉक्टरों पर हमले हुए. इसपर सभी सरकारों द्वारा एक्शन भी लिया गया, जहां अब गृह मंत्री ने भी डॉक्टरों को आश्वासन दिया है. बता दें कि इससे पहले अमित शाह ने शनिवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना वायरस को लेकर मौजूदा स्थितियों की जानकारी लेने के लिए शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी. अधिकारियों ने बताया कि बैठक के दौरान शाह ने देश में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने को लेकर भी जानकारी ली. स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी नए आंकड़ों के अनुसार भारत में कोरोना वायरस के अब तक 19,984 मामले सामने आ गए हैं. 15,474 लोगों का इलाज जारी है. 3870 लोग ठीक हो गए हैं. 640 लोगों की मौत हो गई है. पिछले 24 घंटों में 50 मौतें और 1383 नए मामले सामने आए हैं. महाराष्ट्र में मरीजों की संख्या 5000 से ज्यादा हो गई है. इसके अलावा दिल्ली और गुजरात में 2100 से ज्यादा मामले सामने आए हैं.वही झारखण्ड में भी अब मरीजो की संख्या दिन पर दिन बढने लगी है. अब तक झारखण्ड में कुल 45 संक्रमित मरीज पाए गये है. जिसमे से 4 के ठीक होने की खबर है जबकि तीन की मौत हो चुकी है.

Scan QR Code for more information

छठी जेपीएससी का रिजल्ट हुआ जारी, झारखंड को मिले 326 अधिकारी

पहले प्रयास में ही रेशमा रेखा मिंज और श्रेयांस को मिली सफलत, बड़कीपुन्नू में राजमिस्त्री के बेटे ने किया कमाल

झारखण्ड/बोकारो : झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा छठी सिविल सेवा परीक्षा का परिणाम मंगलवार की रात जारी कर दिया गया. इसमें गोमिया प्रखंड से कुल पांच परीक्षार्थियों ने सफलता अर्जित कर अपने परिवार, गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया है. अकेले महुआटांड़ क्षेत्र के बड़की पुन्नू पंचायत से तीन अफसर निकले हैं. इसमें से दो सफल परीक्षार्थी सगे भाई हैं. जबकि, साड़म के सौदागर मोहल्ला से एक व उग्रवाद प्रभावित चतरोचट्टी क्षेत्र के करीखुर्द से एक परीक्षार्थी ने सफलता अर्जित की है.गढ़वा जिला अंतर्गत बड़गड़ स्थित उगरा गांव निवासी सुश्री रेशमा रेखा मिंज को पहले प्रयास में ही सफलता मिली है. इसके साथ ही गढवा शहर के बाजार पथ निवासी श्रेयांस ने भी अपने प्रथम प्रयास में झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित छठी संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा 2016 में सफलता प्राप्त की है. इनका चयन प्रशासनिक सेवा संवर्ग में हुआ है. वर्तमान में श्रेयांस पूर्णिया विश्वविद्यालय (बिहार) में असिस्टेंट प्रोफेसर (इतिहास) के पद पर कार्यरत हैं. इन्होंने इंटरमीडिएट तक की शिक्षा गढवा से ही प्राप्त की है. स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा काशी हिंदू विश्वविद्यालय (BHU), वाराणसी से प्राप्त किया है. वर्तमान में बीएचयू से प्रो मालविका रंजन के निर्देशन में शोध कार्य भी कर रहे हैं.आपको बता दे कि श्रेयांस एसएसजेएस नामधारी महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य स्वर्गीय डॉ सुरेन्द्र प्रसाद वर्मा के छोटे सुपुत्र हैं. अपनी सफलता का श्रेय स्वर्गीय पिता के पुण्य कर्मों एवं मां लता वर्मा के स्नेह को दिया है. अपने विद्यार्थी काल में श्रेयांस एक दैनिक के लिए कई वर्षों तक पत्रकारिता भी किये हैं.

श्रेयांस (बायें), रेशमा रेखा मिंज (बीच में), फैजान सरवर (दायें).

अनिल रविदास (बायें) और अमित रविदास (दायें)

जितेंद्र कुमार महतो (बायें) और संतोष कुमार महतो (दायें).

फेजान सरवर ने गोमिया क्षेत्र का नाम किया रोशन

गोमिया प्रखंड अंतर्गत साडम सौदागर मोहल्ला निवासी पूर्व स्वतंत्रता सेनानी स्व यासीन अंसारी के पोता फैजान सरवर ने छठी जेपीएससी परीक्षा में सफलता पाकर गोमिया प्रखंड का नाम रोशन किया है. फैजान के पिता बदर यासीन टीटीपीएस परियोजना में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं. फेजान सरवर की प्रारंभिक शिक्षा आरबीपी हाइस्कूल, तेनुघाट से की. इसके अलावा गोस्नर कॉलेज, रांची से इंटर और जामिया मिलिया इस्लामिया, नयी दिल्ली से पोस्ट ग्रेजुएट की शिक्षा प्राप्त की. इस सफलता पर सरवर ने कहा प्रत्येक विद्यार्थियों को मिशन के तहत पढ़ाई करने से निश्चित ही सफलता मिलती है. कहा कि हर समय प्रयास करते रहें. सफलता अवश्य मिलेगी. उन्होंने इस सफलता के पीछे पिता बदर यासीन व मां के अलावा परिवार के अन्य सदस्यों का सहयोग बताया. साथ ही निरंतर उच्च शिक्षा भी इसमें काफी सहयोग किया.

बड़कीपुन्नू में राजमिस्त्री के बेटे ने किया कमाल

आपको बता दे कि जेपीएससी द्वारा घोषित परिणाम में बड़कीपुन्नू के रविदास टोला निवासी राजमिस्त्री गणेश रविदास व फुनवा देवी के बड़े पुत्र अनिल रविदास व मंझले पुत्र अमित रविदास ने क्रमशरू प्रशासनिक व वित्त सेवा में सफलता अर्जित की है. अनिल फिलहाल गढ़वा में राजस्व उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं.

इन्होंने गोमिया हाई स्कूल गोमिया से मैट्रिक, संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग से इंटर व रामगढ़ कॉलेज से डिग्री ली. अनिल ने बताया कि उनकी यह कामयाबी उनके मेहनत और माता–पिता के आशीर्वाद से मुमकिन हुई है. कहा कि बतौर राजस्व उपनिरीक्षक काम करने के दौरान बीडीओ व सीओ द्वारा सीधा जनता से जुड़ाव ही इस ओर खींचा है. आपको बता दे कि अमित ने भी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता के आशीर्वाद और मेहनत को दी. कहा कि छोटानागपुर कॉलेज, रामगढ़ से डिग्री के अंतिम समय में उन्हें सिविल सेवा में आने की इच्छा हुई थी, जो सार्थक हुआ. वे फिलहाल मध्य बिहार ग्रामीण बैंक में पीओ के पद पर गया जिले में कार्यरत हैं.अमित ने उ० उ ०वि० बड़कीपुन्नू से मैट्रिक, संत कोलंबस से इंटर की.दोनों भाई अपनी कामयाबी से बेहद प्रसन्न थे. बड़कीपुन्नू के ही बूटगोड़वा निवासी सीसीएलकर्मी विशेश्वर महतो व शांति देवी के पुत्र संतोष कुमार महतो ने भी प्रशासनिक सेवा के लिए सफलता अपने नाम किया. संतोष फिलहाल गांव में ही हैं. उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत और माता–पिता के आशीर्वाद को दिया. संतोष ने शुरुआती पढ़ाई उमवि छोटकीपुन्नू, सरना उवि महुआटांड़, आरटीसी स्कूल रांची से मैट्रिक, डीपीएस रांची से इंटर व बीआइटी सिंदरी से बी–टेक किया. असम के डिब्रूगढ़ व गोलाघाट में केंद्रीय पीएसयू वाले उपक्रमों में भी काम किया. फिर बीसीपीएल असम में डिप्टी मैनेजर की पोस्ट से इस्तीफा दिया. इसी दौरान बिना कोई ट्यूटर के जेपीएससी की परीक्षा लिखी और सफलता अर्जित की. वे यूपीएससी की तैयारियों में भी जुटे हैं. उग्रवाद प्रभावित चतरोचट्टी क्षेत्र अंतर्गत करीखुर्द गांव निवासी किसान सोनाराम महतो व पेमिया देवी के पुत्र जितेंद्र कुमार महतो ने भी छठी सिविल सेवा परीक्षा में वित्त सेवा के लिए चयनित हुए हैं. इन्होंने जारंगडीह उच्च विद्यालय से मैट्रिक व केबी कॉलेज बेरमो से इंटर व डिग्री पूरी की. अपनी सफलता पर जितेंद्र ने कहा कि माता–पिता और पूरे परिवार का आशीर्वाद और विश्वास तथा स्थापित लक्ष्य की ओर उनकी मेहनत का सफलता में बड़ा हाथ है. वे फिलहाल गांव में ही हैं.

रामगढ़ की नई एसडीओ ने दिया योगदान, बोलीं– कोरोना संक्रमण को रोकना प्राथमिकता

रामगढ़ (संवाददाता) – रामगढ़ के नए अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा 2017 बैच की अधिकारी कीर्ति श्री ने योगदान दे दिया है। निवर्तमान अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार ने विधिवत तरीके से अपना प्रभार कीर्ति श्री को सौंपा व बुके देकर उनका स्वागत किया। अनुमंडल कार्यालय के कर्मचारियों ने नए एसडीओ का बुके देकर स्वागत करते हुए निवर्तमान एसडीओ अनंत कुमार को उपहार देकर भावभीनी विदाई दी।आपको बता दे कि पदभार ग्रहण करने के बाद एसडीओ कीर्ति श्री ने निवर्तमान एसडीओ के साथ बैठक कर कोविड–19 को लेकर जिले में की जा रही प्रशासनिक कार्रवाई व जिले की भौगोलिक स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद एसडीओ ने चुटूपालू स्थित पुंदाग टोल–प्लाजा व पतरातू–रांची सीमा क्षेत्र पिठौरिया घाटी सहित कई स्थानों का भ्रमण कर लॉकडाउन का जायजा लिया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वर्तमान समय में कोविड–19 के संक्रमण को रोकने की मुहिम में जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे मुहिम में योगदान देना उनकी पहली प्राथमिकता है। जिले में लॉकडाउन को सख्ती से पालन कराने के लिए उन्होंने आज से ही अपना काम शुरू कर दिया है। बेवजह लोग अपने घरों से न निकलें। शारीरिक दूरी का पालन करें। रामगढ़ की जनता से यहीं उनकी पहली अपील है।

संपादकीय : घातक लापरवाही

यह घोर चिंताजनक है कि जैसी लापरवाही कनिका कपूर ने दिखाई, वैसी ही कुछ अन्य भी दिखा रहे हैं।

महामारी बन चुके कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले में न जाने कब से यह स्पष्ट है कि एक अकेले व्यक्ति की लापरवाही पूरे समुदाय और अंततरू देश पर भारी पड़ सकती है, फिर भी कुछ लोग गैरजिम्मेदारी का घातक परिचय देने से बाज नहीं आ रहे हैं। इस मामले में नया नाम जुड़ा है गायिका कनिका कपूर का, जिन्होंने बीते हफ्ते लंदन से लौटकर लखनऊमें पार्टी तो की ही, अन्य अनेक सार्वजनिक स्थलों में भी उपस्थिति दर्ज कराई। कोरोना वायरस के खतरे से बेपरवाह होकर वह कानपुर भी गई। क्या इससे अधिक शर्मनाक और कुछ हो सकता है कि जब विदेश यात्रा करने वालों के लिए यह जरूरी बताया जा रहा था कि वे घर–परिवार लौटते ही खुद को सामाजिक रूप से अलग–थलग रखें, तब कनिका कपूर ठीक इसके उलट आचरण कर रही थीं? उन्होंने देश के लिए कितना बड़ा संकट खड़ा कर दिया है, इसका पता इससे चलता है कि वह जिस पार्टी में गईं, उसमें दिल्ली, जयपुर आदि शहरों के भी लोग शामिल हुए। इनमें उप्र के स्वास्थ्य मंत्री जयप्रताप सिंह, वंसुधरा राजे एवं उनके सांसद बेटे दुष्यंत सिंह भी हैं। दुष्यंत लखनऊ में पार्टी करने के बाद दिल्ली आए और संसद भी गए।कनिका कपूर के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद अब यह अति आवश्यक है कि उनकेपरिजनों के साथ उनके संपर्क में आने वाले दुष्यंत सरीखे सभी लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। इतना ही नहीं, उनकी भी निगरानी करनी होगी जो इस पार्टी में गए लोगों से मिले–जुले। कनिका ने एक तरह से उसी खतरे को बढ़ाने का काम किया, जिससे बचने के लिए देश युद्ध स्तर पर जुटा हुआ है। कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले में देश अभी दूसरे दौर यानी उस स्थिति में है, जहां इसकी पहचान हो जा रही है कि कौन किससे संक्रमित हुआ? यदि इसका पता लगाना मुश्किल हुआ कि कौन, किससे संक्रमित हुआ तो फिर हालात हाथ से फिसल सकते हैं। यह घोर चिंताजनक है कि जैसी लापरवाही कनिका ने दिखाई, वैसी ही कुछ अन्य भी दिखा रहे हैं। कोई खुद को अलग–थलग करने से इन्कार कर रहा है तो कोई अस्पताल से भागा जा रहा है। कुछ ऐसे भी हैं, जो स्वास्थ्य परीक्षण कराने से बच रहे हैं। ऐसे लोग अपने साथ–साथ पूरे देश को ऐसे भीषण खतरे की ओर धकेल रहे हैं, जिसका सामना करना बेहद कठिन होगा। चूंकि देश सबसे बड़े संकट से दो–चार है, इसलिए उन सबके खिलाफ सख्ती बरतने में तनिक भी संकोच नहीं किया जाए, जो अपनी जिम्मेदारी को लेकर सचेत नहीं। यह आपातस्थिति है और इसमें ढिलाई के लिए कहीं कोई गुंजाइश नहीं।

विचार

डॉ० आशुतोष कुमार झा

अमेरिकी प्रशासन ने 1 वर्ष के लिए सभी शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया है.ब्रिटेन में नेशनल एजुकेशन यूनियन के 80 हजार शिक्षकों ने ऑनलाइन पिटिशन दी कि कोरोनावायरस के संक्रमण के खत्म होने तक स्कूल कॉलेज ना खोले जाएं ताकि बच्चे और शिक्षक दोनों सुरक्षित रहें. यूनाइटेड नेशंस डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल अफेयर्स ने सुझाव देते हुए कहा है कि हर बच्चे तक इंटरनेट की पहुंच संभव नहीं है इसलिए शिक्षकों और अभिभावकों को पढ़ाने के नए तरीके ईजाद करने होंगे. यूनिसेफ एजुकेशन कह रहा है कि इस वक्त दुनिया के 1.57 अरब विद्यार्थी स्कूल कॉलेज ना जाने की वजह से प्रभावित हैं. इनकी मदद के लिए हम लोग विशेष शैक्षिक कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं. यूनाइटेड नेशंस गर्ल्स एजुकेशन इनिशिएटिव का कहना है कि कोरोनावायरस लंबे समय तक चलेगा और इसका सबसे ज्यादा और गहरा असर लड़कियों की शिक्षा पर पड़ेगा. ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट यूनेस्को भी कह रहा है कि हमें बच्चों की शिक्षा के लिए डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता, स्कूल में मिड–डे–मील और समावेशी शिक्षा की योजनाएं फिर से बनानी होंगी. यदि आपके घर पर कोई ऐसा बच्चा है, जो स्कूल अथवा कॉलेज जाता है, तो मेरा आग्रह है कि आप भी सतर्क हो जाएं. कोरोना संकट महीने – दो महीने में खत्म होने वाला नहीं है. हमें लंबे समय तक उनकी शिक्षा के लिए योजनाएं बनानी होंगी और उन पर अमल करना होगा. याद रखिए अप्रत्याशित संकट अप्रत्याशित अवसर भी लाते हैं और इनका इलाज भी अप्रत्याशित ही होता है

मानगो में लगातार 14 दिनों से हो रहा खिचड़ी वितरण

जमशेदपुर –जयपाल कॉलोनी डिमना रोड मानगो में विगत 14 दिनों से जरूरतमंदो को अपने कमेटी के माध्यम से हर बस्ती में घूम घूम कर प्रतिदिन खिचड़ी बना कर खिलाने के काम लोग कर रहे है । इस दौरान मुख्य रूप से कृष्ण गोपाल दुबे, अखिलेश सिंह, लक्ष्मण सिंह, रविन्द्र उपाध्याय आदि शामिल रहे।

परसुडीह के गोल– पहाड़ी क्षेत्र में बांटी गयी खाद्य सामग्री

जमशेदपुर – सबुज बंग्ला सोसायटी ने बुधवार को भी जरूरतमंदों को राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य जारी रखा. परसुडीह गोल पहाड़ी क्षेत्र मे मास्क के साथ खाद्य सामग्री का भी वितरण किया गया. संस्था के अध्यक्ष मौसमी ने कहा कि कार्यक्रम आगे भी जारी

लोक आलोक न्यूज में
विज्ञापन के लिए संपर्क करे
8084400718
/lokaloknews /lokaloknews /lokaloknews

कालाबाजारी एवं अनियमितता पर जारी रहेगी कार्रवाई : जिला आपूर्ति पदाधिकारी

सरायकेला– कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव को लेकर सरायकेला जिला प्रशासन प्रत्येक आवश्यक कदम उठा रही है। सरायकेला उपायुक्त श्री ए दोड्डे के निदेश पर सरायकेला जिले वासियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने का कार्य तेजी से चल रहा है। कई माध्यमों से लाभुक एवं जरूरतमंद व्यक्तियों तक राशन/खाद्यान्न पहुंचाई जा रही है, ताकि किसी भी व्यक्ति को खाने से संबंधित कोई कठिनाई नहीं हो। सरायकेला जिला प्रशासन की टीम कालाबाजारी, जमाखोरी, अनियमितता एवं निर्धारित दर से ज्यादा कीमत ग्राहकों से वसूलने वालों पर पैनी नजर रखे हुए है। इस दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा है कि कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अनियमितता बरतने वालों को कतई नहीं बख्सा जायेगा। कालाबाजारी एवं अनियमतता बरतने वालों को लगातार चिन्हित की जा रही है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी जारी है। निर्धारित मात्रा से कम राशन कार्ड धारियों को देने एवं मापतौल में अन्य गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि लॉक डाउन की स्थिति में किसी को खाद्यान्नध्भोजनध्राशन की कमी नहीं होगी। इसके लिए जिला प्रशासन कार्य कर रही है। इसमें सभी की सहयोग अपेक्षित है।

हेमंत सरकार की शिथिलता और निद्रा भंग करने को भाजपा के आला नेताओं ने रखा उपवास

जमशेदपुर–देश के अलग अलग राज्यों में लॉकडाउन के मध्य फँसे श्रमिकों, विद्यार्थियों, मरीजों के अलावे बड़ी तादाद में झारखंड के निवासी सरकारी मदद से वंचित हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के आवाह्न पर भाजपा के सांसदों, विधायकों, प्रदेश एवं जिला स्तरीय नेताओं ने एकदिवसीय उपवास रखा। सांकेतिक उपवास रखकर भाजपाईयों ने राज्य सरकार की शिथिल रवैये को भंग करते हुए ध्यान खींचने का प्रयास किया। जमशेदपुर में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, सांसद विद्युत वरण महतो, जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार, प्रदेश प्रवक्ता राजेश शुक्ला, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी, पूर्व विधायक मेनका सरदार, जिला पार्षद उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, वही लॉकडाउन में दिल्ली में फंसे भाजपा नेता अभय सिंह ने भी उपवास रखा। उपवास पर बैठे पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि अपने लोग जो बाहर फँसे हुए हैं उनके प्रति झारखंड सरकार संवेदनशून्य है। कोरोना महामारी को लेकर झारखंड सरकार पूरी तरह शिथिल है। प्रवासी मजदूर, कामगार, छात्रों और जो राज्य से बाहर फंसे हैं, उनकी सुध नहीं ली जा रही है। इसके विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास जमशेदपुर स्थित आवास में उपवास पर थे।

Atlas Copco
Authorised Dealer
Canon
WE WILL BE THERE
WHEN YOU NEED US
For Spares and Services please call :
Apex Corporation India Pvt. Ltd.
7209006912, 7209909999

लोक आलोक न्यूज में
विज्ञापन के लिए संपर्क करे
8084400718
/lokaloknews /lokaloknews /lokaloknews

"IT PRODUCTS AVAILABLE "
hp Lenovo
Canon DELL
SUPERCENTRE
For home delivery call: 7209006912

BOOK YOUR ADVERTISEMENT
+91 8084400718
+91 8083666506

LITTLE PLANET PLAY SCHOOL
(A STEP TO FUTURE)
ENGLISH MEDIUM SCHOOL
HURRY UP!
Admission Open
PRE NURSERY | NURSERY | L.K.G
ROAD NO.-32, CROSS ROAD NO.-2, NEAR SAROJ SEVA SADAN, ADITYAPUR-2
☎ 9708572111, 8084400718, 9334981733

/lokaloknews /lokaloknews /lokaloknews